ICMR INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911

myGOV मेरी सरकार

# वयस्क कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशा-निर्देश

## कोविड-19 के हल्के मामलों के लिए उपचार (1/3)

### पहचान

सांस या हाइपोक्सिया की दिक्कत के बिना ऊपरी श्वसन तंत्र के लक्षण (और/या बुखार) वाले रोगी

### सलाह

होम आइसोलेशन और देखभाल

### इनका पालन:

- शारीरिक दूरी बना कर रखें, घर के अंदर भी मास्क का उपयोग पहनें, हाथ लगातार धोते रहें
- रोगसूचक प्रबंधन (हाइड्रेशन, एंटी-पायरेटिक्स, एंटीट्यूसिव, मल्टीविटामिन)
- उपचार के लिए किसी चिकित्सक के संपर्क में रहें
- समय- समय पर बुखार और ऑक्सीजन सेचुरेशन लेवल मापते रहें (उंगलियों पर एसपीओ 2 जांच के लिए लगाएं)

icmr
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911

my GOV
मेरी सरकार

# वयस्क कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशा-निर्देश

## कोविड-19 के हल्के मामलों के लिए उपचार (2/3)

### ऐसी स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता लें:

- सांस लेने में दिक्कत
- उच्च ग्रेड बुखार/गंभीर खांसी, खास तौर पर 5 दिनों से अधिक समय तक रहे तो
- निम्न में से कोई उच्च जोखिम वाली स्थिति
  - हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, सीएडी,
  - मधुमेह और इम्यून से जुड़ी अन्य समस्या,
  - क्रोनिक फेफड़े/किडनी/लीवर संबंधित रोग
  - सेरेब्रोवैस्कुलर रोग, मोटापा आदि

वयस्क कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन के लिए

# नैदानिक दिशा-निर्देश

## कोविड-19 के हल्के मामलों के लिए उपचार (3/3)

### हल्के लक्षण की स्थिति में चिकित्सीय सुझाव

हल्के लक्षण की स्थिति में चिकित्सीय

- टैब Ivermectin (200 एमसीजी/Kg 3 दिनों के लिए दिन में एक बार)। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिला इसे लेने से बचें

**या**

- टैब एचसीक्यू ( पहले दिन 400 mg दिन में दो बार, उसके बाद 4 दिनों के लिए 400mg दिन में एक बार ), यदि इसकी मनाही न हो तो

- यदि लक्षण 5 दिनों से अधिक बने रहते हैं तो 5 दिनों के लिए बुडेसनाइड 800 एमसीजी की डोज दिन में दो बार (मीटर्ड डोज इनहेलर/ड्राई पाउडर इनहेलर के माध्यम से), दिया जा सकता है

icmr INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH Serving the nation since 1911

my GOV मेरी सरकार

# वयस्क कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशा-निर्देश

## कोरोना के मध्यम लक्षण वाले मरीज के लिए उपचार (1/3)

### पहचान

रोगी की श्वसन दर 24/मिनट से अधिक हो, सांस या SpO2 कमरे की हवा पर 90% से < 93% है

### सलाह

वार्ड में भर्ती हो जाएं

### ऑक्सीजन सपोर्ट:

- SpO2 का लक्ष्य: 92-96%
  (क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी के रोगियों में 88-92%)
- ऑक्सीजन के लिए पसंदीदा उपकरण:
  नॉन-रीब्रीथिंग फेस मास्क
- पूरक ऑक्सीजन चिकित्सा की आवश्यकता वाले सभी रोगियों को प्रोनिंग की सलाह (हर 2 घंटे में अपने पॉजिशन में बदलाव करें)

icmr INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH Serving the nation since 1911

my GOV मेरी सरकार

# वयस्क कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशा-निर्देश

## कोरोना के मध्यम लक्षण वाले मरीज के लिए उपचार (2/3)

### एंटी-इनफ्लेमेटरी या इम्यूनोमोडुलेटरी थेरेपी

- इंजेक्शन मिथाइलप्रेड़नीसोलोन 0.5 से 1 mg/kg का 2 डोज (या डेक्सामेथासोन) 5 से 10 दिनों के लिए

- मरीज की स्थिति स्थिर होने पर ओरल तरीके से दवा दी जा सकती है

### एंटिकोगुलेशन

- रोगनिरोधी हेपरिन का पारंपरिक डोज या लो मॉलिक्यूलर वेट हेपरिन (वजन आधारित जैसे कि एनोक्सापरिन 0.5 mg/kg प्रति दिन एससी)

- रक्तस्राव की समस्या या कोई उच्च जोखिम नहीं होने चाहिए

ICMR INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911

myGOV मेरी सरकार

# वयस्क कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशा-निर्देश

## कोरोना के मध्यम लक्षण वाले मरीज के लिए उपचार (3/3)

### निगरानी

क्लिनिकल मॉनिटरिंग: श्वास का अभ्यास, हेमो डायनामिक अस्थिरता, ऑक्सीजन की जरुरत में बदलाव

छाती का सीरियल एक्स-रे; रिपोर्ट सही नहीं आने पर ही छाती का सीटी स्कैन किया जाना चाहिए

लैब मॉनिटरिंग की रिपोर्ट: सीआरपी और डी-डिमर 48 से 72 घंटे में एक बार; सीबीसी, केएफटी, एलएफटी 24 से 48 घंटा में एक बार; स्थिति बिगड़ने पर आईएल -6 के स्तर की जांच की जानी चाहिए ( सुविधानुसार)

icmr INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH Serving the nation since 1911

my GOV मेरी सरकार

# वयस्क कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशा-निर्देश

## कोरोना के गंभीर लक्षण वाले मरीजों के लिए उपचार (1/3)

### पहचान

रोगी की श्वसन दर 30/मिनट से अधिक, सांस फूलना या SpO2 कमरे की हवा पर 90% से कम

### सलाह

आईसीयू में भर्ती

### श्वसन सहायता:

- ऑक्सीजन की आवश्यकता वाले रोगियों में NIV (हेलमेट या फेस मास्क इंटरफेस उपलब्धता के आधार पर) के उपयोग पर विचार करें, यदि सांस लेने दिक्कत हो तो
- ऑक्सीजन आवश्यकता बढ़ने पर रोगियों में HFNC के उपयोग पर विचार करें
- श्वास की ज्यादा दिक्कत वाले रोगियों/ यदि एनआईवी काम नहीं कर रहा हो तो इनट्यूबेशन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए
- वेंटिलेटर प्रबंधन के लिए पारंपरिक ARDSnet प्रोटोकॉल का उपयोग करें

नॉन-इन्वेसिव वेंटिलेशन

ICMR INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911

myGOV मेरी सरकार

# वयस्क कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशा-निर्देश

## कोरोना के गंभीर लक्षण वाले मरीजों के लिए उपचार (2/3)

### एंटी-इन्फ्लेमेट्री या इम्यूनोमोडुलेटरी उपचार

- 5 से 10 दिनों के लिए इंजेक्शन मिथाइलप्रेड़नीसोलोन-1 से 2 mg/kg IV की 2 डोज (या डेक्सामेथासोन की खुराक)

### एंटिकोगुलेशन

- वजन आधारित मध्यवर्ती डोज प्रोफिलैक्टिक हेपरिन या कम आण्विक वेट वाले हेपरिन (उदाहरण के लिए, एनोक्सापरिन 0.5 mg/kg प्रति खुराक डोज दिन में दो बार
  - रक्तस्राव की समस्या या उच्च जोखिम नहीं होने चाहिए

ICMR INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911

my GOV मेरी सरकार

# वयस्क कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशा-निर्देश

## कोरोना के गंभीर लक्षण वाले मरीजों के लिए उपचार (3/3)

### सहायक उपाय

- यूवोलेमिया बनाए रखें (यदि संभव हो, तो तरल पदार्थ की रिस्पॉन्स का आकलन करने हेतु डायनामिक उपायों का उपयोग करें)
- यदि सेप्सिस/सेप्टिक शॉक की जरुरत हो तो: मौजूदा प्रोटोकॉल और स्थानीय एंटीबायोग्राम के अनुसार प्रबंधित किया जाना चाहिए

### निगरानी

- सीरियल सीएक्सआर; स्थिति बिगड़ने पर एचआरसीटी चेस्ट किया जाना चाहिए
- लैब मॉनिटरिंग: सीआरपी और डी-डिमर 24-48 घंटे में एक बार; सीबीसी, केएफटी, एलएफटी दिन में एक बार; स्थिति बिगड़ने पर आईएल -6 के स्तर की जांच की जानी चाहिए (सुविधानुसार)

icmr
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911

my GOV
मेरी सरकार

# वयस्क कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशा-निर्देश

## आपातकालीन उपयोग का प्राधिकार/ऑफ लेबल का उपयोग करें (1/3)

(सीमित साक्ष्यों के आधार पर उपलब्ध और केवल विशिष्ट परिस्थितियों में)

## रेमडेसिविर (EUA) रोगियों को तभी दिया जाना:

- रोग के लिए मध्यम से गंभीर वाले (पूरक ऑक्सीजन की आवश्यकता हो), और
- कोई गुर्दे या हेपेटिक रोग (eGFR <30 ml/min/m2; AST/ALT > ULN का 5 गुना (कोई विशेष दिक्कत न हो), और
- जिनमें लक्षण की शुरुआत 10 दिनों के भीतर हुई है
- अनुशंसित खुराक: पहले दिन 200mg IV और उसके बाद 4 दिनों के लिए दिन में एक बार 100mg IV का डोज
- उन रोगियों को नहीं दिया जाना चाहिए जो ऑक्सीजन सपोर्ट पर या घर सेटिंग्स में नहीं हैं

icmr
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911

my GOV
मेरी सरकार

# वयस्क कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन के लिए नैदानिक दिशा-निर्देश

## आपातकालीन उपयोग का प्राधिकार/ऑफ लेबल का उपयोग करें (2/3)

(सीमित साक्ष्यों के आधार पर उपलब्ध और केवल विशिष्ट परिस्थितियों में)

### Tocilizumab (ऑफ लेबल) पर विचार किया जा सकता है, यदि निम्न परिस्थिति हो तो

- गंभीर रोग की स्थिति ( गंभीर लक्षण की शुरुआत के 24 से 48 घंटे के भीतर/ आईसीयू में भर्ती
- इनफ्लेमेट्री मार्कर (सीआरपी और/या आईएल-6) बढ़ा हुआ हो
- स्टेरॉयड के उपयोग के बावजूद सुधार नहीं हो
- कोई सक्रिय बैक्टीरियल/फंगल/ट्यूबरकुलर संक्रमण न हो
- एकल खुराक की सलाह: 100ml एनएस में 4 से 6 mg/kg (60 किलोग्राम के वयस्क में 400 mg) 1 घंटे से अधिक

ICMR INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911

myGOV मेरी सरकार

वयस्क कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन के लिए

# नैदानिक दिशा-निर्देश

## आपातकालीन उपयोग का प्राधिकार/ऑफ लेबल का उपयोग करें (3/3)

(सीमित साक्ष्यों के आधार पर उपलब्ध और केवल विशिष्ट परिस्थितियों में)

### कॉन्वलेसेंट प्लाज्मा (ऑफ लेबल) केवल तभी दिया सकता है जब निम्न स्थिति हो

- प्रारंभिक मध्यम रोग के लक्षण (लक्षण शुरुआत के 7 दिनों के भीतर, 7 दिनों के बाद कोई उपयोग नहीं) हो
- उच्च टिट्रे डोनर प्लाज्मा की उपलब्धता (सिग्नल टू कट-ऑफ रेशियो (एस/ओ) >3.5 या समकक्ष परीक्षण किट के मुताबिक)